8 मूल में परिवर्तन – मुझको के स्थान पर मेरे को।
तुझको के स्थान पर तेरे को।

9 मूल और प्रत्यय दोनों का परिवर्तन – हिन्दी में ऐसा कम होता है। अग्रेजी में Go का Went होना इसका उदाहरण है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1 भाषा विज्ञान – डॉ भोलानाथ तिवारी
2 भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. मीरा दीक्षित
3 हिन्दी भाषा की संरचना – डॉ भोलानाथ तिवारी
4 रुपविज्ञान – डॉ लक्ष्मण प्रसाद निराला

"दो लोगों अथवा पक्ष की बहस में किसी एक का चुप रहना श्रेयस्कर होता है, अन्यथा परिणाम नुकसानदायक हो सकता है।"
–डॉ. रमेश टण्डन फूलबंधिया

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)

14.
वाक्य की अवधारणा एवं वाक्य के भेद

– डॉ. श्रीमती धनेश्वरी दुबे*

सेमेस्टर – I प्रश्नपत्र– IV (भाषा विज्ञान), इकाई – 03 (व्याकरण)
रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद– मुक्त, आबध्य, अर्थदर्शी, संबंधदर्शी; रूपिम के प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन संरचना, बाह्य संरचना,

भाषा विचारों की वाहक होती है, जिन्हें वह वाक्यों के माध्यम से वहन करती है। हमारा सोचना, समझना, बोलना या किसी भाव को हृदयगत करना सब कुछ वाक्यों में ही होता है। वाक्य भाषा विज्ञान का महत्वपूर्ण अंग है। वाक्य अखण्ड होता है। जिस प्रकार समुद्र में विभिन्न सोते (नदी) आकर मिलते हैं फिर भी वह अनेक रूपों में एक होकर समुद्र ही होता है। वैसे ही वाक्य होते हैं। शब्दों का व्यवस्थित रूप जिससे मनुष्य अपने विचारों का आदान प्रदान करता है, उसे वाक्य कहते हैं। एक सामान्य वाक्य में क्रमशः कर्ता, कर्म और क्रिया होते हैं। भावाभिव्यक्ति की दृष्टि से स्वतः पूर्ण सार्थक शब्द समूह का नाम वाक्य है। भाषा विज्ञान के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार भाषा की परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है–

"वाक्य भाषा की ऐसी सहज इकाई है, जिसमें एक या अधिक शब्द (पद) होते हैं तथा वह इकाई अर्थ की दृष्टि से पूर्ण या अपूर्ण होती है, लेकिन व्याकरणिक दृष्टि से अपने विशिष्ट संदर्भ में अवश्य पूर्ण होती है, साथ ही

*जन्म : 15 मार्च 1966, सतीगुढ़ी चौक रायगढ़, माता : श्रीमती चन्द्रिका चौबे, पिता : श्री भरत लाल चौबे, पति : श्री प्रदीप कुमार चौबे, संतान : एक पुत्री– गार्गी दुबे, शिक्षा : एम. ए. (दो स्वर्ण पदक), एम. फिल., पी–एच. डी., अन्य : 05 वर्ष तक मेरिट के आधार पर राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त, सम्प्रति : विभागाध्यक्ष (हिन्दी), शासकीय इं. वि. स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा (छ.ग.), भारत, मो0 नं0 : 9406298740

GOVT. E.V.P.G. COLLEGE ★ KORBA ★